ISSN 0973-144X

भा.ला.अनु.सं.
# लाख समाचार पत्रिका

I.L.R.I.
# Lac NEWSLETTER

वर्ष 9 ( 4 ) अक्टूबर - दिसम्बर 2005 Vol. 9 (4) Oct. - Dec. 2005

## निदेशक की कलम से FROM THE DIRECTOR'S DESK

### आय की बढ़ोत्तरी एवं रोजगार सृजन के लिए बागान स्तर पर लाख की खेती की आवश्यकता

परम्परागत रूप से लाख की खेती तीन मुख्य परिपालकों कुसुम, पलास और बेर पर होती रही है। जहाँ कुसुम एवं पलास मुख्य रूप से वन एवं उप-वन क्षेत्रों में पाये जाते हैं, वहीं बेर ज्यादातर वनों में नहीं बल्कि गाँव की जमीन, खेतों की मेड़ तथा सड़क इत्यादि के किनारे पाया जाता है। लाख की खेती अक्सर इन बिखरे हुये परिपालकों पर की जाती है। अगर गाँव की जमीन में लगभग एक कि.मी. वर्ग क्षेत्र में 500 वृक्ष भी हों तो अच्छी फसल उगाने में फसल प्रबन्धन एवं सुरक्षा की समस्या होती है। अगर बागान स्तर पर वैज्ञानिक तरीके से खेती की जाये तो सुविधा एवं प्रभावी फसल प्रबन्धन के अतिरिक्त एक हेक्टेयर में भी प्रत्येक लाख-परिपालक रोजगार सृजन एवं आय का अच्छा स्रोत होता है।

एक हेक्टेयर के कुसुम के बागान में लाख की खेती करने पर प्रति वर्ष चार लाख रूपये से अधिक की आय होती है। इसी तरह बेर पर कुसुमी कीट से खेती करने पर पाँच लाख रूपये से ज्यादा की आय होगी। पलास से एक वर्ष में 40, 000 रूपये की आय हो सकती है। एक हेक्टेयर कुसुम, बेर एवं पलास के बागान से प्रति वर्ष क्रमशः 500, 600 एवं 300 के लगभग श्रम दिवसों का सृजन होता है। यहाँ यह बात भी ध्यान देने योग्य है कि लगभग आधे श्रम दिवस की पूर्ति महिला सदस्यों के द्वारा होती है जो लिंग भेद का भी समाधान है। इस तरह बागान स्तर पर लाख की खेती आय में बढ़ोत्तरी, रोजगार एवं लिंगभेद तीनों दृष्टि से अनुकूल है।

*( बंगाली बाबू)*

### Need to cultivate lac on plantation basis for enhanced returns and employment generation.

Traditionally, lac has been cultivated on three major lac hosts *i.e. kusum*, *palas* and *ber*. While *kusum* and *palas* are mainly found in forest and sub-forest areas, *ber* is mostly found in non-forest areas like village land, field borders, road sides etc. Lac cultivation is often done on these scattered host plants. Even if there are 500 trees in a village land spread over about one sq. km, crop management and security are problems in getting good crop. If cultivation is practiced on plantation basis with scientific method, even a hectare of each of lac hosts could be a very good source of income and employment generation besides convenience and effective crop management.

A hectare of *kusum* can give net return of more than Rs. four lakhs in a year. Similarly, *ber* with *kusmi* insect gives more than Rs. five lakhs and with *rangeeni* insect more than Rs. 1.25 lakhs. *Palas* can provide net return of about Rs. 40,000/- in a year. The employment generation from one ha of plantation of *kusum*, *ber* and *palas* is about 500, 600 and 300 man-days respectively every year. It is also interesting that about half of the labour man-days are met from female members addressing to the gender issue as well. Thus, cultivating lac on plantation basis could address three issues namely enhanced income, employment and reducing gender bias.

*( Bangali Baboo)*

## इस अंक में.....

**अनुसंधान उपलब्धियाँ**
- लाख कीट के संग्रह के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश का सर्वेक्षण
- जुट-फाइबर ग्लास यौगिक सीट
- झारखण्ड में लाख की खेती के आर्थिक पहलू

**प्रौद्योगिकी हस्तांतरण**
- आयोजित प्रशिक्षण
- प्रक्षेत्र दौरा

**प्रचार एवं प्रसार**
- व्यापार मेलों एवं प्रदर्शनियो मे सहभागिता
- आलेखो लोकप्रिय लेखों का प्रकाशन
- रेडियो / दूरदर्शन वार्ता

**घटनाक्रम**
- राष्ट्रीय संगोष्ठी

**वैयक्तिक**
- प्रोन्नति
- नियुक्ति
- भा.ला.अनु.सं. से स्थानान्तरण
- सेवा समाप्त

**विविध**
- 'नन बन' को दस वर्षों तक किसने संरक्षित रखा ?
- लाख से बनी दुर्गा प्रतिमा

## In this issue.....

**Research Highlights**
- Survey of Eastern UP for collection of lac insects
- Jute-Fiber Glass Composites
- Economics of Lac Cultivation in Jharkhand

**Transfer of Technology**
- Trainings Conducted
- Field Visits

**Publication and Publicity**
- Participation in Trade Fair & Exhibitions
- Papers / Popular Articles Publication
- Radio / TV Talks

**Events**
- National Symposium

**Personalia**
- Promotion
- Appointment
- Transferred from ILRI
- Termination

**Miscellanea**
- What kept the NunBun intact for ten years?
- Durga idols made of lac - Revival of an ancient art

# अनुसंधान उपलब्धियाँ

## लाख कीट के संग्रह के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश का सर्वेक्षण

लाख कीटों एवं लाख परिपालकों की उपलब्धता की जानकारी के लिए 17-29 अक्टूबर, 2005 में पूर्वी उत्तर प्रदेश के सात जिलों देवरिया (देवरिया, बैतालपुर, गौरी बाजार, चौरी-चौरा, सोनु घाट); कुशीनगर (हाता, कुलकला माई, पडरौना) गोरखपुर (जगदीशपुर, गोरखपुर एवं आस पास के क्षेत्र); महाराजगंज (महराजगंज, छप्पियाँ बाजार, परतावल, भटहट); वाराणसी (का. हि. वि. वि., वाराणसी, सारनाथ); मिर्जापुर (मिर्जापुर, विन्ध्याचल व आस पास के क्षेत्र) तथा इलाहाबाद (मेजा रोड, श्रींगवेरपुर, इलाहाबाद एवं आस-पास के क्षेत्र) के चुने हुए क्षेत्रों में सघन सर्वेक्षण किया गया। हालाकि सभी स्थानों पर लाख कीट देखे गये परन्तु इनकी उपलब्धता काफी कम पायी गई। लाख कीट मुख्य रूप से पीपल (*फाइकस रेलिजीओसा*) एवं पाकुर (*एफ. ल्युसेन्स*) पर देखा गया। किरमिजी एवं पीले रंग के लाख कीटों की मिश्रित संख्या सभी जगह देखी गई, लेकिन पीले कीटों का प्रसार ज्यादा था। संस्थान में रख रखाव तथा मूल्यांकन के लिये लाख कीटों का संग्रह किया गया।

*(डॉ. के.के. शर्मा, व.वै.)*

## जूट-फाइबर ग्लास यौगिक सीट

जूट-फाइबर ग्लास के यौगिक सीट का अधिकतम तनन सार्मथ्य एवं तनन मापांक क्रमश: 40.6 एम.पी.ए. एवं 1.7 जी.पी.ए रहा। नमन सामर्थ्य एवं नमन मापांक क्रमश: 95.98 एम.पी.ए. तथा 4.2 जी.पी.ए. पाया गया। सीट की नमन सामर्थ्य फाइबर-ग्लास प्रबलित सीट के समान पायी गई। रोधक रसायन से तैयार जूट-फाइबर ग्लास प्रबलित सीट आसानी से आग नहीं पकड़ती तथा लौ के हटाते ही आग बुझ जाती है। नियन्त्रण नमूना आसानी से आग पकड़ लेता है एवं 0.23 इन्च$^2$ / मिनट की दर से जलता है।

*(डॉ. डी. एन. गोस्वामी, प्र. वै.)*

## झारखंड में लाख की खेती के आर्थिक पहलू

वर्ष 2003-04 एवं 2004-05 की अवधि में झारखंड के राँची एवं प. सिंहभूम जिलों के कुल 500 लाख उत्पादकों (प्रशिक्षित एवं अप्रशिक्षित) का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि पलास (50 परिपालक) पर लाख की खेती से खेती की लागत, शुद्ध आय एवं बी सी अनुपात क्रमश: रु० 2566.20, रु० 4885.80 एवं 2.9 है, जब कि बेर (50 परिपालक) पर क्रमश: रु० 4673.90, रु० 9771.10 एवं 3.09 तथा कुसुम (10 परिपालक) पर क्रमश: रु० 6880.8 रु० 16,283.70 तथाप 3.37 है। प्रशिक्षित लाख उत्पादकों में पलास पर लाख की खेती से शुद्ध आय एवं बी.सी. अनुपात क्रमश: रु० 8168.90 तथा 3.31, बेर पर क्रमश: रू 20913.7 एवं 3.63 एवं कुसुम पर क्रमश: रु० 33,128.5 एवं 4.0 पाया गया। अप्रशिक्षित लाख उत्पादकों से तुलना करने पर प्रशिक्षित लाख उत्पादको द्वारा परिपालकों के उपयोग का प्रतिशत, कुल आय में लाख के माध्यम से हुई आय का हिस्सा एवं रोजगार सृजन बढ़ा है।

*(डॉ. गोविन्द पाल, वै.)*

# RESEARCH HIGHLIGHTS

## Survey of Eastern UP for collection of lac insects

Extensive survey of selected areas in seven districts of Eastern Uttar Pradesh *viz.*, Deoria (Deoria, Baitalpur, Goribazar, Chauri-Chaura, Sonu Ghat); Kushinagar (Hata, Kulkalamai, Padrauna); Gorakhpur (Jagdishpur, Gorakhpur and nearby areas); Maharaj Ganj (Maharaj Ganj, Chhappian Bazar, Partawal, Bhathat); Varanasi (BHU, Varanasi, Sarnath); Mirzapur (Mirzapur, Vindhyachal and nearby areas); and Allahabad (Meja Road, Shringverpur, Allahabad and nearby areas) was carried out during October 17- 29, 2005 for availability of lac insects and host plants. Though, lac insects were observed at all the places visited, frequency of occurrence of lac insects in nature was very low. Lac insects were mainly observed on *Peepal (Ficus religiosa)* and *Pakur (F. luscence)*. Mixed populations of crimson and yellow lac insects were observed at all the places but proportion of yellow was more. Lac insects were collected for maintenance and evaluation at the institute.

*(Dr. KK Sharma, Sr. Sc.)*

## Jute - Fiber Glass Composites

Highest tensile strength and tensile modulus values of 40.6 Mpa and 1.7 Gpa respectively for jute- fiber glass composites have been obtained. Flexural strength and flexural modulus have been found to be 95.98 Mpa and 4.2 Gpa, respectively. Flexural strength of the sheets has been found to be in the range of those of fiber-glass reinforced sheets. Jute-fiber glass reinforced sheets prepared with a fire retardant chemical, does not catch fire easily and extinguish when flame was withdrawn. The control sample catches fire easily and burn at the rate of 0.23 in$^2$ / min.

*(Dr. DN Goswami, PS)*

## Economics of Lac Cultivation in Jharkhand

A total number of 500 lac growers (trained and untrained) were surveyed in Ranchi and West Singhbhum District of Jharkhand during 2003-04 and 2004-05. Analysis of the survey data showed that cost of lac cultivation, net return and BC ratio worked out to be Rs. 2,566.20, Rs.4,885.80 and 2.9 respectively, for lac cultivation on *palas* (50 hosts); Rs. 4,673.90, Rs. 9,771.10 and 3.09 respectively for *ber* (50 hosts) and Rs. 6,880.8, Rs. 16,283.70 and 3.37 respectively for lac cultivation on *kusum* (10 hosts). For trained lac growers, net return and BC ratio worked out to be Rs. 8,168.90 and 3.31 respectively for *palas*; Rs. 20,913.7 and 3.63 respectively for *ber* and Rs. 33,128.5 and 4.0 respectively for lac cultivation on *kusum*. Host utilization percentage, share of lac income in total income and employment generation increased in case of trained lac growers in comparison to untrained lac growers.

*(Dr. Govind Pal, Sc.)*

# प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

## आयोजित प्रशिक्षण

रिपोर्ट की अवधि में लाख की खेती, प्रसंस्करण एवं उपयोग पर निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए।

| प्रशिक्षण कार्यक्रम | प्रतिभागियों की संख्या | स्थान | प्रायोजक अभिकरण | अवधि |
|---|---|---|---|---|
| **लाख की वैज्ञानिक खेती प्रसंस्करण एवं उपयोग पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण** | | | | |
| | 50 | दन्तेवाडा, बस्तर, छत्तीसगढ़ | राज्य वन विभाग, छत्तीसगढ़ | 26.9-1.10.05 |
| | 11 | पत्थलगाँव, जशपुर, छत्तीसगढ़ | डीपीआईएमयू, छत्तीसगढ़ | 17-22.10.05 |
| | 44 | सुन्दरगढ़, उड़ीसा | ट्राईफेड, उड़ीसा | 21-26.11.05 |
| | 26 | पाढ़ेर, विशाखापतनम, आन्ध्र प्रदेश | इन्दिरा प्रंती | 28.11-3.12.05 |
| **लाख की खेती पर प्रक्षेत्र प्रशिक्षण** | | | | |
| | 49 | कुलुबुरू-अड़की,राँची, झारखंड | अल्टरनेटिव,फॉर इन्डिया डेवलपमेंट | 18.10.05 |
| | 50 | टिंगरिया-मुरहू, राँची, झारखंड | तदैव | 19.10.05 |
| | 80 | तुबिल-अड़की, राँची, झारखंड | तदैव | 21.10.05 |
| | 48 | उलिहातु-खूंटी, झारखंड | तदैव | 22.10.05 |
| | 80 | अड़की, राँची, झारखंड | तदैव | 23.10.05 |
| | 50 | पंचमढ़ी, हौशंगाबाद, म.प्र. | जिला कलेक्टर | 15.11.05 |
| | 152 | दक्षिण कोन्दागाँव, बस्तर, छत्तीसगढ़ | जिला वन अधिकारी, दक्षिणि, कोन्दा गाँव | 20-21.11.05 |
| | 50 | केशकल, बस्तर, छत्तीसगढ़ | जिला वन अधिकारी, उत्तर कोन्दा गाँव | 22.11.05 |
| | 266 | जेवनारा-बारघाट, सिवनी, म.प्र. | जिला पंचायत, सिवनी | 27-28.11.05 |
| | 120 | कुरई, सिवनी , म.प्र. | तदैव | 27-28.11.05 |
| | 296 | केवलारी-घनसोर, सिवनी, म.प्र. | तदैव | 29.11.05 |
| | 230 | छपरा-घनोए, सिवनी, म.प्र. | तदैव | 30.11.05 |
| | 230 | सिवनी-लखनादोन, सिवनी, म.प्र. | तदैव | 01.12.05 |
| **लाख आधारित उत्पादों का प्रदर्शन** | | | | |
| ❖ एल्यूरिटिक अम्ल | 1 | भा.ला.अनु.सं., राँची | - | 17.10-10.11.05 |
| ❖ गैस्किट,चपड़ा यौगिक | 1 | भा.ला.अनु.सं., राँची | - | 14-18.11.05 |

*( डॉ. ए. के. जायसवाल, व. वै. )*

❖ लाख की खेती के वैज्ञानिक पहलू विषय पर 30.12.05 को जॉयपुर वन प्रभाग, जॉयपुर (प.बं.) में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभाग के पाँच गाँवों में फैले पाँच एफ पीसीएस से 50 किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इसमें तीन वन अधिकारी एवं एक रेंज अधिकारी भी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय फिल्ड अनुसंधान केन्द्र, पुरूलिया द्वारा आयोजित किया गया। प्रशिक्षण शुल्क के रूप में रु० 5000/- प्राप्त हुए।

*( डॉ. एस. के. यादव, वै. ( व.वे. )*

❖ प्रक्षेत्र अभिप्रेरणा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत लाख की खेती पर मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के 350 किसानों, छिंदवाड़ा जिले के 53 किसानों, झारखण्ड के राँची जिले के 30 किसानों एवं छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के 145 किसानों को प्रशिक्षित किया गया ।

❖ रिपोर्ट की अवधि में संस्थान मे विभिन्न स्वयं सेवी / सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रायोजित 100 किसानों के लिये अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

❖ A training programme on 'Scientific approaches for lac cultivation' was held at Joypur Forest Range Office, Joypur (W.B.) on 30.12.05. Fifty farmers from 5 FPCS scattered over five villages of the Range participated in the training programme. Among the officials, Three Beat Officers and a Range Officer were also present. RFRS, Purulia organized the training programme. A sum of Rs. 5000/- was collected as training charges.

***Dr. SK Yadav, Sci. (SS)***

❖ On-Farm motivational training on lac cultivation was provided to 350 farmers in Seoni District, 53 farmers in Chhindwara District of Madhya Pradesh; 30 farmers in Ranchi District of Jharkhand and 145 farmers in Raigarh District of Chhattisgarh State.

❖ One-Day Orientaion Programme was organized at the Institute for 100 farmers sponsored by different NGO, GOs during the period under report.

## TRANSFER OF TECHNOLOGY

### Trainings conducted

Following training programmes were conducted on lac cultivation, processing and utilization during the period under report:

| Training Programme | No. of participants | Venue | Sponsoring Agency | Duration |
|---|---|---|---|---|
| **One Week training on Scientific of Lac, Processing and Utilization** | | | | |
| | 50 | Dantewara, Bastar, Chhattisgarh | State Forest Department, Chhattisgarh | 26.9 – 1.10.05 |
| | 11 | Pathalgaon, Jashpur, Chhattisgarh | DPIMU, Chhattisgarh | 17-22.10.05 |
| | 44 | Sundergarh, Orissa | TRIFED, Orissa | 21 – 26.11.05 |
| | 26 | Padher, Vishakhapattnam Andra Pradesh | Indira Mranthi, | 28.11 – 3.12.05 |
| **On-Farm Training on Lac Cultivation** | | | | |
| | 49 | Kuluburu-Arki, Ranchi, Jharkhand | Alternative for India Development | 18.10.05 |
| | 50 | Tingaria-Murhu, Ranchi, Jharkhand | Do | 19.10.05 |
| | 80 | Tubil-Arki, Ranchi, Jharkhand | Do | 21.10.05 |
| | 48 | Ulihatu-Khunti | Do | 22.10.05 |
| | 80 | Arki-Arki, Ranchi, Jharkhand | Do | 23.10.05 |
| | 50 | Panchmarhi, Hoshangabad, MP | Dist. Collector | 15.11.05 |
| | 152 | South Kondagaon, Bastar, Chhattisgarh | DFO South, Kondagaon | 20 -21.11.05 |
| | 50 | Keshkal, Bastar, Chhattisgarh | DFO North, Kondagaon | 22.11.05 |
| | 266 | Jevnara-Barghat, Seoni, MP | Zila Panchayat, Seoni | 27-28.11.05 |
| | 120 | Kurai, Seoni, MP | Do | 27 - 28.11.05 |
| | 296 | Keolari-Ghansore, Seoni, MP | Do | 29.11.05 |
| | 230 | Chhapara-Dhanora, Seoni, MP | Do | 30.11.05 |
| | 230 | Seoni-Lakhnadone, Seoni, MP | Do | 1.12.05 |
| **Lac based Product Demonstration** | | | | |
| ❖ Aleuritic Acid | 1 | ILRI, Ranchi | - | 17.10 – 10.11.05 |
| ❖ Gasket Shellac Compound | 1 | ILRI, Ranchi | - | 14-18.11.05 |

***(Dr. AK Jaiswal, Sr. Sc.)***

### प्रक्षेत्र दौरे

❖ डॉ अनिल कुमार जायसवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, श्री संतोष कुमार, अनुसंधान एसोसिएट एवं श्री पी. पटमांझी, टी-1-3 नै फसल निरीक्षण के लिए बन्ता एवं पुटीडीह गावों का दौरा किया।

❖ लाख परिपालक वृक्षों (कुसुम) की छंटाई का प्रदर्शन करने के लिए श्री दिलीप कुमार सिंह, टी-4 एवं श्री साधो महली, स.ग्रे.- I ने खरसिया एवं घरघोड़ा (रायगढ़) छतीसगढ़ का दौरा किया।

### Field visits

❖ Dr. AK Jaiswal, Sr. Sc., Shri Santosh Kumar, RA and Shri P. Pattamajhi, T-I-3 visited Banta and Putidih villages for crop monitoring

❖ Shri DK Singh, T-4 and Shri Sadho Mahli, SG-1 visited Kharsia and Gharghora (Raigarh District), Chhattisgarh, for demonstrating pruning of lac host trees *(kusum)*

## प्रसार एवं प्रकाशन

## PUBLICITY AND PUBLICATIONS

### व्यापार मेलों एवं प्रदर्शनियों में सहभगिता

❖ श्री कवल किशोर प्रसाद, तकनीकी अधिकारी एवं श्री कामेश्वर शरण, संग्रहालय अटेंडेट ने भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के झारखंड पैवेलियन प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 14-27 नवम्बर, 2005 की अवधि में लाख एवं इसके उपयोग पर स्टॉल लगाया।

### Participation in Trade Fair & Exhibitions

❖ India International Trade Fair, Pragati Maidan, New-Delhi, 14th-27th November, 2005 in the Jharkhand Pavillion. Shri KK Prasad, T.O. & Shri K Sharan, Museum Attendant participated and put up a stall on lac and its uses.

- श्री जगदीश सिंह ने अनन्तपुर, आन्ध्रप्रदेश में 2-6 दिसम्बर, 2005 की अवधि में राष्ट्रीय हस्तकरघा विकास बोर्ड की प्रदर्शनी में भाग लिया।
- जिला प्रशासन, लातेहार द्वारा आयोजित किसान मेले में श्री महेश्वर लाल भगत, वैज्ञानिक (प्र.को.), डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव, वैज्ञानिक (व.वे.) एवं श्री अनिल कुमार सिन्हा, टी-4 ने भाग लिया। संस्थान ने वहाँ लाख पर एक प्रदर्शनी लगायी तथा वैज्ञानिकों ने किसान गोष्ठी में भाग लिया।
- गूँज परिवार द्वारा 18-20 दिसम्बर, 2005 को सिल्ली में गूँज ग्रामीण उद्योग मेले का आयोजन किया गया। इस आयोजन में श्री महेश्वर लाल भगत, वैज्ञानिक (प्र.को.), श्री रामानन्द बैद्य, तकनीकी अधिकारी एवं श्री शिववचन आजाद, टी-3 ने भाग लिया।

## रेडियो/दूरदर्शन वार्ता

- आकाशवाणी राँची द्वारा दिनांक-29.11.2005 को आयोजित फोन-इन कार्यक्रम में डॉ. बंगाली बाबू एवं डॉ. अजय भट्टाचार्य ने भाग लिया।

## अन्तः गृह संगोष्ठी

- डॉ गोविन्द पाल ने दिनांक 31.12.2005 को झारखण्ड में लाख की खेती के आर्थिक पहलू नामक परियोजना का पूर्ण प्रतिवेदन ( आर. पी. एफ. ॥। ) प्रस्तुत किया।

## आगन्तुक

11 अति विशिष्ट व्यक्तियों, 164 किसानों, 36 विद्यार्थियों एवं 28 अन्य व्यक्तियों समेत 239 व्यक्तियों ने संस्थान संग्रहालय का भ्रमण किया उन्हे लाख के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

विशिष्ट आगन्तुकों में श्री अरविन्द नेताम, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार; श्री एन.डी.बसु, निदेशक (प्रचालन), ए.टी.ई. मस्कटी ग्रुप, थाइलैंड; डॉ. जी. कल्लु, उप महानिदेशक (बागवानी); श्री तकाशी ओगी, अध्यक्ष, श्री मशाकी शिबाता, महाप्रबंधक एवं श्री मसारू ओगी, गिफु शेलैक मैनुफैक्चरिंग कं. शामिल थे।

## आलेखों / लोकप्रिय लेखों का प्रकाशन

- भट्टाचार्य ए, जायसवाल ए के, कुमार एस एंव कुमार एम 2005. "यूब्लोमा एमाविलीस मूर-लाख कीट का एक खतरनाक लैपिडोप्टेरन परभक्षी के प्रबन्धन के लिए एन्डोसल्फान के विकल्प के रूप में कारटैप हाइड्रोक्लोराइड का मूल्यांकन" जर्नल ऑफ अप्लायड जुलॉजिकल रिसर्च, 16 (1) : 93-94
- रंगनाथन रमणि, गोविन्द पाल एवं अजय भट्टाचार्य 2005. ''लाख की खेती-सभ्यता प्रतीक" झारखंड बढ़ते कदम सं.-8, सितम्बर 2005: 31-34

## संस्थान प्रकाशन

भा. ला. अनु. सं. लाख समाचार पत्रिका 9(3) : 8 पृष्ठ

# वैयक्तिक

## प्रोन्नति

- श्री अनिल कुमार शर्मा, एस जी.- IV की नियुक्ति दिनांक 30.12.05 को वर्कशोप ग्रेड में टी-1 (वेल्डर) पद पर की गई।

- National Handloom Development Board Exhibition, 2nd-6th December, 2005 at Ananthapur, Andhra Pradesh. Shri Jagadish Singh, T.O. participated in the exhibition.
- Kisan Mela at Latehar, organized by District Administration was attended by Shri ML Bhagat, Sc. (SG), Dr. SK Yadav, Sc. (SS) and Sri Anil Kumar Sinha, T-4. The Institute put up an Exhibition on lac and the Scientists participated in the *Kisan Goshthi.*
- Gunj Gramin Udyog Mela at Silli, organised by Gunj Pariwar, 18-20th Dec., 2005. Shri ML Bhagat, Sc. (SG), Shri RN Vaidya, T.O. and Shri SB Azad, T-3 participated in the event.

## Radio / TV Talks

- Dr. Bangali Baboo and Dr. A Bhattacharya participated in the Phone-in programme conducted by All India Radio, Ranchi on 29.11.2005.

## In-House Seminar

- Final report (RPF - III) of the project entitled 'Economics of Lac Cultivation in Jharkhand' was presented by Dr. Govind Pal on 30.12.2005.

## Visitors

The institute museum was visited during the period under report by 239 persons which included 11 VIPs, 164 farmers, 36 students and 28 others from all walks of life.

Important visitors included: Shri Arvind Netam, former Agricultural Minister, Govt. of India; Shri ND Basu, Director (Operation), A.T.E. Maskati Group, Thailand; Dr. G Kaloo, DDG (Hort.); Mr. Takashi Ogi, President, Mr. Masaki Shibata, General Manager and Mr. Masaru Ogi from M/s Gifu Shellac Mfg. Co. Ltd., Japan.

## Papers / Popular Articles published

- Bhattacharya A, Jaiswal AK, Kumar S and Kumar M. 2005. Evaluation of cartap hydrochloride as substitute of endosulfan for management of *Eublemma amabilis* Moore a serious lepidopteran predator of lac insect. *Journal of Applied Zoological Researches,* 16 (1):93-94.
- Ramani R, Pal G and Bhattacharya A. 2005. Lakh ki kheti - sabhyata ka prateek, in *Jharkhand Barte Kadam,* No. 8, September, 2005: 31-34.

## Institute Publications

ILRI-Lac Newsletter, 9(3) : 8 pp.

# PERSONALIA

## Promotion

- Sri Anil Kumar Sharma, SG- IV appointed to T-1 (Welder) in the Workshop Group on 30.12.05

## नियुक्ति

- डॉ. अनिल कुमार की दिनांक 19.10.05 को एक वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर प्राधिकृत चिकित्सक नियुक्त किया गया।

## भा.ला.अनु.सं. से स्थानान्तरण

- डॉ. प्रणय कुमार, प्र.वै. एवं अध्यक्ष, लाख उत्पादन विभाग दिनांक- 22.10.05 को अनार के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र शोलापुर, महाराष्ट्र में
- डॉ. पूर्णचन्द्र सरकार, वरिष्ठ वैज्ञानिक दिनांक- 29.11.05 को भा.कृ.अनु.प. मुख्यालय में

## सेवा समाप्त

- श्री जयराम नायक, एस जी-I की सेवा दिनांक- 05.11.05 से समाप्त कर दी गई।

## मानव संसाधन विकास

श्री रंजय कुमार सिंह, वैज्ञानिक ने हजारीबाग में दिनांक 12-17 दिसंबर 2005 तक आयोजित "जलछाजन योजना एवं परियोजना निर्माण" विषयक पशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

## संगोष्ठियों / कार्यशालाओं मे सहभागिता / किये गये दौरे इत्यादि

### निदेशक द्वारा

1. रबी रिसर्च कॉन्सिल, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की बैठक में दिनांक 18.10.05 को।
2. वन विभाग, झारखंड सरकार, राँची की बैठक में दिनांक 18.10.2005 को।
3. बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, राँची में विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग की बैठक में दिनांक 22.10.05 को।
4. बागवानी एवं कृषि वानिकी शोध कार्यक्रम, राँची मे कार्बनिक निविष्ट का उत्पादन एवं गुणवता नियंत्रण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता दिनांक 10.11.05 को।
5. कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के प्लास्टिकल्चर एवं प्रिसीजन फार्मिंग पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिनांक 17-20.11.05 को।
6. झारखंड, उड़ीसा एवं पं. बंगाल में लाख के विकास के लिए सहयोगात्क परियोजना हेतु भा.ला. अनु. सं., ट्राइफेड एवं झास्कोलैम्फ की संयुक्त बैठक में दिनांक 24.11.05 को।
7. भा.ला.अनु. सं., राँची द्वारा "लाख के रसायन एवं प्रयोग" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। उद्घाटन एवं योजना सत्र की अध्यक्षता दिनांक-25.11.05 को।
8. वन उत्पादकता संस्थान, राँचीं अनुसंधान परामर्शदात्री दल की सातवीं बैठक में दिनांक 15.12.05 को।

### अन्य अधिकारियों द्वारा

- उत्तर प्रदेश जुलौजिकल सोसाइटी, मुज्जफ्फरनगर द्वारा हरिद्वार में 2-4 अक्टूबर 2005 को 'भारतीय कीट विज्ञान : उत्पादकता एवं स्वास्थ्य' पर आयोजित सातवें राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. अजय भट्टाचार्य, प्र.वै. एवं अध्यक्ष प्रौ.ह. विभाग; श्री यज्ञदत्त मिश्र वैज्ञानिक (प्र.को.)एवं श्री संतोष कुमार, रिसर्च एसोसिएट ने भाग लिया। डॉ. भट्टाचार्य ने एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भी की।
- डॉ. निरंजन प्रसाद वरिष्ठ वैज्ञानिक ने नागपुर में 17-19 अक्टूबर, 2005 को आयोजित 'सातवीं वसन्त राव नायक राष्ट्रीय कृषि संगोष्टी' में भाग लिया।

## Appointment

- Dr. Anil Kumar, appointed on 19.10.05 as AMA on contractual basis for one year.

## Transferred from ILRI

- Dr. P Kumar, PS & Head, LPD on 22.10.05 to NRC for Pomegranate, Sholapur, Maharashtra.
- Dr. PC Sarkar, Sr. Sc. on 29.11.05 to ICAR, Headquarters, New Delhi.

## Termination

- Services of Sri Jairam Naik, SG-I were terminated on 5.11.05.

## Human Resource Development

Shri RK Singh, Sc. attended training programme on, Watershed Planning and Project Formulation at Hazaribagh during December 12-17, 2005.

## Seminars / Workshops attended / Visits undertaken etc.

### By Director

1. Rabi Research Council Meeting, Birsa Agricultural. University, Ranchi, Oct. 18, 2005
2. Meeting on Formulation of Lac Development Project, Department of Forest, Govt. of Jharkhand, Ranchi, Oct. 18, 2005.
3. University- Industry Cooperation Meet, Birla Institute of Technology, Ranchi, Oct. 22, 2005.
4. Inaugural Session of Training Programme on 'Production and Quality Control of Organic Inputs', Horticulture and Agro-forestry Research Programme, Ranchi, Nov. 10, 2005, Chairman.
5. International Conference on Plasticulture and Precision Farming, Ministry of Agriculture, Government of India, New Delhi, Nov.17-20, 2005. Chairman, Post Harvest Technology Session.
6. Joint meeting of ILRI, TRIFED and JHASCOLAMPF for collaborative project on lac development in Jharkhand, Orissa and West Bengal. ILRI, Ranchi, Nov. 24, 2005.
7. National Seminar on, 'Chemistry and Applications of Lac'. ILRI, Ranchi, Nov. 25, 2005. Chairman, Inaugural and Planning Sessions.
8. VII Meeting of Research Advisory Group, Institute of Forest Productivity Ranchi, Dec. 15, 2005.

### By Others

- Dr. A Bhattacharya, PS & Head TOT Division, Shri YD Mishra, Sc. (SG) and Shri Santosh Kumar, RA attended the VII National Symposium on, 'Indian Entomology : Productivity & Health' organized by The Uttar Pradesh Zoological Society, Muzaffarnagar at Haridwar during October 2-4, 2005. Dr. Bhattacharya also chaired one of the Technical Sessions.
- Dr. N. Prasad, Sr.Sc. attended VII Vasant Rao Naik National Agricultural Seminar at Nagpur on October 17-19, 2005

- डॉ. शैलेन्द्र कुमार यादव, वैज्ञानिक (व. वे.) ने दिनांक 15.11.05 को जिला पंचायत होशंगाबाद, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित कार्यशाला में भाग लिया तथा "जिले में लाख उत्पादन से रोजगार-संभावनाएं एवं रणनीति' शीर्षक व्याख्यान दिया।
- वन विभाग, झारखंड द्वारा कार्यान्वित किये जाने वाली लाख परियोजना के प्रतिपादन पर दिनांक 9.12.05 को आयोजित बैठक में डॉ. अजय भट्टाचार्य, प्र. वै. एवं अध्यक्ष प्रौ. ह. विभाग तथा डॉ. अनिल कुमार जायसवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने भाग लिया।
- पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में 15-17 दिसम्बर, 2005 के दौरान आयोजित प्रथम कीट काँग्रेस में डॉ. अजय भट्टाचार्य, प्र.वै. एवं अध्यक्ष, प्रौ. ह. विभाग; डॉ. अनिल कुमार जायसवाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने भाग लिया तथा आलेख प्रस्तुत किये।
- डॉ. गोविन्द पाल, वैज्ञानिक ने जोधपुर में 16-18 दिसम्बर, 2005 को आयोजित 'प्राचीन एवं आधुनिक तकनीकों में दूरी मिटाकर कृषि उत्पादकता में वृद्धि पर राष्ट्रीय सम्मेलन मे भाग लिया।
- डॉ. अजय भट्टाचार्य, प्र.वै. एवं अध्यक्ष, प्रौ. ह. विभाग तथा डॉ. रंगनाथन रमणि, प्र. वै. एवं अध्यक्ष, लाख उत्पादन विभाग ने दिनांक 27.12.05 को रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिव्यायन कृ. वि. केन्द्र, मोराबादी, राँची में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

- Dr. SK Yadav, Sc. (SS) participated and delivered a lecture on lac in workshop 'Zile mein lakh utpadan se rojgar-sambhavnayen evam ran-neeti' organized by Zila Panchayat, Hoshangabad, Madhya Pradesh, on November 15, 2005.
- Dr. A Bhattacharya, PS & Head, TOT and Dr. AK Jaiswal, Sr. Sc. attended the meeting on the formulation of a project on lac to be implemented by the State Forest Department, Jharkhand on December 9, 2005.
- Dr. A Bhattacharya, PS & Head TOT Division, Dr. AK Jaiswal, Sr. Sc. and Dr KK Sharma, Sr. Sc. participated in the 1st Insect Congress held at PAU, Ludhiana during December 15-17, 2005 and presented papers.
- Dr. G. Pal , Sc. attended National Conference on Bridging gap between Ancient and Modern Technologies to Increase Agricultural productivity at Jodhpur on December 16-18, 2005.
- Dr. A Bhattacharya, PS & Head TOT and Dr. R Ramani, PS & Head, LPD attended the Scientific Advisory Committee meeting at Ram Krishna Mission Ashrama, Divyayan KVK, Morabadi, Ranchi on December 27, 2005.

## घटनाक्रम

## राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनाँक 25 नवम्बर 2005 को लाख प्रसंस्करण एवं उत्पाद विकास विभाग द्वारा संस्थान में "लाख के रसायन एवं प्रयोग" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का अयोजन किया गया।

*संगोष्ठी के प्रतिभागी तकनीकी सत्र में*

संगोष्ठी के मुख्य विचारणीय विषय थे: 1. लाख के रसायन एवं इसके अवयव, 2.लाख प्रसंस्करण, 3.सतहलेपन एवं खाद्य प्रसंस्करण में लाख, 4.सौंदर्य प्रसाधन में लाख, 5.लाख से शुद्ध रसायन, 6. लाख के नूतन उपयोग एवं, 7. लाख एवं लाख उत्पाद की गुणवत्ता का मानकीकरण

संगोष्ठी का उद्घाटन ट्राइफेड के प्रबंध निदेशक श्री विलफ्रेड लकड़ा ने किया। संगोष्ठी में संस्थान के 30 वैज्ञानिकों सहित राँची विश्वविद्यालय, लाख उद्योग, एवं सरकारी संस्थाओं के 60 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विचारणीय विषयों से संबंधित 13 आलेखों के लिए तीन तकनीकी सत्र आयोजित किये गए।

लाख के वर्तमान स्तर को ध्यान में रखते हुए विशेषकर प्राकृतिक उत्पादों को पसन्द करनेवाले लोगों के लिए, संगोष्ठी में लाख से मूल्य वर्धित उत्पादों, उपोत्पादों एवं इसके घटक अमलों का विभिन्न क्षेत्रों जैसे दवाओं, सौन्दर्य प्रसाधनो, औषधि विज्ञान,खाद्य पदार्थो एवं कृषि में उपयोग के विकास हेतु सघन प्रयास की मुख्य अनुशंसा की गई।

***( डॉ. निरंजन प्रसाद, प्र. वै. एवं अध्यक्ष, ला. प्र. एवं उ. वि. विभाग )***

## EVENTS

## National Seminar

A National Seminar on 'Chemistry and Applications of Lac' was organized by LPPD Division in the Institute on 25th Nov., 2005. The thematic areas of the seminar were i) chemistry of lac and its constituents, ii) Processing of lac, iii) lac in surface coating and food technology, iv) lac in the cosmaceuticals, v) fine chemicals from lac, vi) novel applications of lac and vii) quality and standardization of lac / lac products.

*Chief Guest Shri W. Lakra, Director Dr. B Baboo and Covenor Dr. N Prasad during inaugural session*

The seminar was inaugurated by Shri Wilfred Lakra, Managing Director, TRIFED, Govt. of India and attended by altogether 60 delegates including 30 scientists from the institute; Ranchi University, Ranchi; Lac industry and Govternment Organizations. Three technical sessions were held for presentation of 13 papers covering the thematic areas.

Major recommendation of the seminar was that keeping in view the present status of lac especially peoples' liking for natural products, serious efforts need to be made or development of value added products from lac, its by products and constituent acids for application in the areas like medicine, cosmetics, pharmaceuticals, food and agriculture.

***(Dr. N Prasad, PS & Head, LPPD)***

## विविध

### 'नन बन' को दस वर्षों तक किसने संरक्षित रखा ?

हाल में एक डबल रोटी की चोरी की खबर को समाचार माध्यमों ने प्रमुखता से लिया। डबल रोटी को नैशविले, स. रा. अमेरिका की एक कॉफी की दूकान बाँगो जोवा में दिसम्बर 1996 से प्रदर्शित किया गया था। 16 अक्टूबर 1996 को खाने से ठीक पहले एक व्यक्ति ने गौर किया कि उसकी आकृति आश्चर्यजनक रूप से मदर टेरेसा से मिलती थी। इसके बाद इस कहानी को अखबारों और इलेक्ट्रॉनिक समाचार माध्यमों में प्रमुखता मिलने लगी। 'नन बन' के उपर फिल्म बनायी गई एव आनेवाले नए साल में एक समर्पित वेबसाइट आरम्भ की गई। बन व्यापार चिन्ह 'नन बन' एवं 'निर्मल अवलेह' (मिष्ठान) रखा गया। इस पर काफी विवाद भी हुआ ।

बन को एक शीशे के केस में दूकान में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए लगाया गया। 2005 के बड़े दिन की सुबह में इसे गायब पाया गया। उसके मालिक श्री बर्नस्टीन ने बन को यथावत लाने वाले को 1000 डॉलर इनाम देने की घोषणा की। ताजा प्राप्त समाचार के अनुसार इनाम की राशि 5000 डॉलर तक बढ़ा दी गई है।

***'नन बन' को दस वर्षों तक किसने संरक्षित रखा? उसके ऊपर चपड़े का पतला संरक्षक लेप लगा था।***

***( श्रोत : बोंगोजावा. कॉम व अन्य; डॉ. आर. रमणि, विभागाध्यक्ष, ला. उ. विभाग )***

### लाख की बनी दुर्गा की प्रतिमा- एक प्राचीन कला का पुनर्जन्म

लाख से गुड़िया बनाना बंगाल की एक प्राचीन कला है। संरक्षण के अभाव में गुड़िया बनाने की कला तेजी से विसरित हो रही थी। हाल में मनाए गए दुर्गा पूजा त्यौहार में कोलकाता, पं. बंगाल में कम से कम चार दुर्गा पूजा आयोजन समितियों के प्रबन्धकों ने लाख से गुड़िया बनाने की प्राचीन कला को पुनर्जीवित किया। इन पूजा आयोजनो में दुर्गा की पूरी प्रतिमा लाख की बनायी गई थी। इनमें से एक पंडाल में लाख से बनी 6 ईन्च आकार की 800 गुड़ियों से तथा दूसरे में 1-2.5 फीट ऊँचाई की 200 गुड़ियों से गेट की सजावट की गई थी।

कलाकृति के प्रशंसकों के साथ-साथ इन पंडालों की ओर भारी भीड़ उमड़ी। लाख की बनी एक प्रतिमा कोलकाता की 12 सबसे अच्छी पूजा प्रतिमाओं के रूप में चुनी गई।

***( स्रोत-बंगाल समाचार पत्र-आजकल; अनुवाद डॉ. डी. एन. गोस्वामी )***

**संकलन, सम्पादन एंव निर्माण**
डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक
डॉ. रंगनाथन रमणि, प्रधान वैज्ञानिक
**तकनीकी सहयोग**
प. अ. अंसारी
एल. सी. एन. शाहदेव
**हिन्दी सम्पादन**
डॉ. केवल कृष्ण शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक
**अनुवाद**
डॉ. अंजेश कुमार
लक्ष्मी कान्त
**छाया चित्र**
रमेश प्रसाद श्रीवास्तव
**प्रकाशक**
डॉ. बंगाली बाबू
निदेशक
भारतीय लाख अनुसंधान संस्थान
नामकुम, राँची (झारखण्ड) 834 010
**दूरभाष:** 0651-2260117, 2261156 (निदेशक)
**फैक्स:** 0651-2260202
**ई-मेल :** ilri@sancharnet.in, lac@ilri.ernet.in
**हम से सम्पर्क करें :** www.icar.org.in/ilri

## MISCELLANEA

### What kept the NunBun intact for ten years ?

A stolen bun hit the headlines of media recently. It was in display at a coffee shop in Nashville, USA, since Dec., 1996. It bore a striking resemblance to Mother Teresa, which was accidentally discovered by the person who was about to take a bite of it during the early hours of Oct.16, 1996. The story subsequently dominated electronic and print media. A film was made on the NunBun ®, and a dedicated website, launched the subsequent new year It was trademarked NunBun™ and Immaculate Confection™.

The bun was on display in a glass case at the shop attracting a number of visitors. It was found missing on the early morning of Christmas Day of 2005. The owner Mr Bernstein announced a reward of $1000 to anyone who returned the bun undamaged. According to the latest news the reward has been raised to $5000.

***What kept the NunBun intact for nearly ten years? It was a thin preservative coat of shellac.***

***(Source : Bongojava.com and others; Dr. R Ramani, Head, LP Division)***

### Durga idols made of lac - Revival of an ancient art

Manufacture of dolls made of lac is an ancient art of West Bengal. The art of making dolls was fast receding due to lack of patronage. In the recently celebrated Durga Puja Festival in Kolkata, West Bengal, management of at least four Durga Puja organizing committees made an attempt for revival of the ancient art of making dolls from lac, In these Puja celebrations, complete Durga idols were made of lac. In one of the pandals even gate was decorated with 800 dolls (of size 6 inches) made of lac; in another 200 dolls were made of height 1-2.5 ft

These pandals drew lot of crowd as well as appreciation of the art work. One of the idols made of lac was selected within 12 best idols worshipped in Kolkata.

***(Source: Bengali Newspaper Aajkal; Translated by Dr. DN Goswami)***

Compiled, Edited and Produced by
Dr. KK Sharma, Sr. Sc.
Dr. R Ramani, Pr. Sc.
Technical Assistance
PA Ansari
LCN Shahdeo
Hindi Editing
Dr. KK Sharma , Sr. Sc.
Translation
Dr. Anjesh Kumar
Lakshmi Kant
Photo
RP Srivastava
Published by
Dr. Bangali Baboo
Director
Indian Lac Research Institute
Namkum, Ranchi-834 010,Jharkhand
Phone : 0651-2260117, 2261156 (Director)
Fax : 0651-2260202
E-mail : ilri@s ancharnet.in, lac@ilri.ernet.in
Visit us at : www. icar. org. in/ilri